कानून और चुनौती में उभरते मुद्दों को लेकर कार्यशाला का आयोजन

अमृत संदेश । कुम्हारी

आई.सी.एफए.आई. विश्व विद्यालय में कानून विभाग 15 जनवरी से 19 जनवरी 2024 तक कानून और चुनौती में उभरते मुद्दों पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। आज उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस.पी. दुबे मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में विशेष रूप से आईपीआर में कानून के महत्व की चर्चा की। डॉ. जी आर राघवेन्द्र, वरिष्ठ सलाहकार (आईपीआर), डीपीआईटी, भारत सरकार वि.वि. में आयोजित कार्यशाला के प्रथम दिवस के मुख्य वक्ता थे। उन्होंने दर्शकों को उन कानूनों से अवगत कराया जो हमारे बौद्धिक संपदा अधिकारों की रक्षा करते हैं। उनका सत्र विचारोत्तेरक और प्रेरणादायक था। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. मनीष उपाध्याय सहित, सभी विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। आगामी 4 दिनों तक इस कार्यशाला में कानून में भविष्य में आने वाली चुनौतियों और समसमायिक मुद्दों पर नये नये विचार प्राप्त होंगे। इस आयोजन की संयोजक डॉ. प्याली चटर्जी, विभागाध्यक्ष- कानून विभाग, आई. सी.एफए.आई. विश्वविद्यालय, रायपुर और सह-संयोजक के रूप में श्री सिद्धार्थ देवरस हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आर्ची दुबे ने किया।

आईसीएफएआई विवि में 'कानून और चुनौती में उभरते मुद्दे' पर कार्यशाला का उद्घाटन

समवेत शिखर संवाददाता

कुम्हारी। आईसीएफएआई विश्वविद्यालय में कानून विभाग 15 जनवरी से 19 जनवरी, 2024 तक कानून और चुनौती में उभरते मुद्दों पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन कर रहा है।

आज उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस.पी. दुबे मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में विशेष रूप से आईपीआर में कानून के महत्व की चर्चा की। डॉ. जी आर राघवेन्द्र, वरिष्ठ सलाहकार (आईपीआर), डीपीआईटी, भारत सरकार वि.वि. में आयोजित कार्यशाला के प्रथम दिवस के मुख्य वक्ता थे। उन्होंने दर्शकों को उन कानूनों से अवगत कराया जो हमारे बौद्धिक संपदा अधिकारों की रक्षा करते हैं। उनका सत्र विचारोत्तेरक और प्रेरणादायक था। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. मनीष उपाध्याय सहित, सभी विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। आगामी 4 दिनों तक इस कार्यशाला में कानून में भविष्य में आने वाली चुनौतियों और समसमायिक मुद्दों पर नये नये विचार प्राप्त होंगे।

इस आयोजन की संयोजक डॉ. प्याली चटर्जी, विभागाध्यक्ष- कानून विभाग, आई. सी.एफए.आई. विश्वविद्यालय, रायपुर और सह-संयोजक के रूप में श्री सिद्धार्थ देवरस हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आर्ची दुबे ने किया।

आईसीएफएआई में कानून व चुनौती में उभरते मुद्दे पर कार्यशाला का उद्घाटन

कुम्हारी। आई.सी.एफ.ए.आई. विश्वविद्यालय में कानून विभाग 15 जनवरी से 19 जनवरी तक कानून और चुनौती में उभरते मुद्दों पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। आज उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस.पी. दुबे मुख्य अतिथि थे। उन्होंने अपने उद्बोधन में विशेष रूप से आईपीआर में कानून के महत्व की चर्चा की।

डॉ. जी आर राघवेन्द्र, वरिष्ठ सलाहकार (आईपीआर), डीपीआईटी, भारत सरकार वि.वि. में आयोजित कार्यशाला के प्रथम दिवस के मुख्य वक्ता थे। उन्होंने दर्शकों को उन कानूनों से अवगत कराया जो हमारे बौद्धिक संपदा अधिकारों की रक्षा करते हैं।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. मनीष उपाध्याय सहित, सभी विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। आगामी 4 दिनों तक इस कार्यशाला में कानून में भविष्य में आने वाली चुनौतियों और समसमायिक मुद्दों पर नये नये विचार प्राप्त होंगे। इस आयोजन की संयोजक डॉ. प्याली चटर्जी, विभागाध्यक्ष- कानून विभाग, आई. सी.एफ.ए.आई. विश्वविद्यालय, रायपुर और सह-संयोजक के रूप में सिद्धार्थ देवरस हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आर्ची दुबे ने किया।

आई.सी.एफ.ए.आई. विश्वविद्यालय, रायपुर में कानून और चुनौती में उभरते मुद्दे पर एक सप्ताह की कार्यशाला का उद्घाटन किया गया

कुम्हारी (कुबेर भूमि)। आई.सी.एफ.ए.आई. विश्वविद्यालय में कानून विभाग 15 जनवरी से 19 जनवरी, 2024 तक 卐कानून और चुनौती में उभरते मुद्दों पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। आज उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस.पी. दुबे मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में विशेष रूप से आईपीआर में कानून के महत्व की चर्चा की। डॉ. जी आर राघवेन्द्र, वरिष्ठ सलाहकार (आईपीआर), डीपीआईटी, भारत सरकार वि.वि. में आयोजित कार्यशाला के प्रथम दिवस के मुख्य वक्ता थे। उन्होंने दर्शकों को उन कानूनों से अवगत कराया जो हमारे बौद्धिक संपदा अधिकारों की रक्षा करते हैं। उनका सत्र विचारोत्तेरक और प्रेरणादायक था। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. मनीष उपाध्याय सहित, सभी विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। आगामी 4 दिनों तक इस कार्यशाला में कानून में भविष्य में आने वाली चुनौतियों और समसमायिक मुद्दों पर नये नये विचार प्राप्त होंगे। स आयोजन की संयोजक डॉ. प्याली चटर्जी, विभागाध्यक्ष- कानून विभाग, आई. सी.एफ.ए.आई. विश्वविद्यालय, रायपुर और सह-संयोजक के रूप में सिद्धार्थ देवरस हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आर्ची दुबे ने किया।

आई.सी.एफ.ए.आई. विश्वविद्यालय, रायपुर में कानून और चुनौती में उभरते मुद्दे पर एक सप्ताह की कार्यशाला का उद्घाटन किया गया

अमन पथ न्यूज़

कुम्हारी।आई.सी.एफ.ए.आई. विश्वविद्यालय में कानून विभाग 15 जनवरी से 19 जनवरी, 2024 तक ₹कानून और चुनौती में उभरते मुद्दों पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। आज उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस.पी. दुबे मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में विशेष रूप से आईपीआर में कानून के महत्व की चर्चा की। डॉ. जी आर राघवेन्द्र, वरिष्ठ सलाहकार (आईपीआर), डीपीआईटी, भारत सरकार वि.वि. में आयोजित कार्यशाला के प्रथम दिवस के मुख्य वक्ता थे। उन्होंने दर्शकों को उन कानूनों से अवगत कराया जो हमारे बौद्धिक संपदा अधिकारों की रक्षा करते हैं। उनका सत्र विचारोत्तेरक और प्रेरणादायक था। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. मनीष उपाध्याय सहित, सभी विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। आगामी 4 दिनों तक इस कार्यशाला में कानून में भविष्य में आने वाली चुनौतियों और समसमायिक मुद्दों पर नये नये विचार प्राप्त होंगे।

आई.सी.एफ.ए.आई. विश्वविद्यालय, रायपुर में कानून और चुनौती में उभरते मुद्दे पर कार्यशाला का उद्घाटन किया

महाकोशल न्यूज

कुम्हारी।आई.सी.एफ.ए.आई. विश्वविद्यालय में कानून विभाग 15 जनवरी से 19 जनवरी, 2024 तक "कानून और चुनौती में उभरते मुद्दों पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। आज उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस.पी. दुबे मुख्य अतिथि रहे।

उन्होंने अपने उद्बोधन में विशेष रूप से आईपीआर में कानून के महत्व की चर्चा की।डॉ. जी आर राघवेन्द्र, वरिष्ठ सलाहकार (आईपीआर), डीपीआईटी, भारत सरकार वि.वि. में आयोजित कार्यशाला के प्रथम दिवस के मुख्य वक्ता थे। उन्होंने दर्शकों को उन कानूनों से अवगत कराया जो हमारे बौद्धिक संपदा अधिकारों की रक्षा करते हैं। उनका सत्र विचारोत्तेरक और प्रेरणादायक था।इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. मनीष उपाध्याय सहित, सभी विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। आगामी 4 दिनों तक इस कार्यशाला में कानून में भविष्य में आने वाली चुनौतियों और समसमायिक मुद्दों पर नये नये विचार प्राप्त होंगे।इस आयोजन की संयोजक डॉ. प्याली चटर्जी, विभागाध्यक्ष-कानून विभाग, आई.सी.एफ.ए.आई. विश्वविद्यालय, रायपुर और सह-संयोजक के रूप में श्री सिद्धार्थ देवरस हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आर्ची दुबे ने किया।

आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, रायपुर में 'कानून और चुनौती में उभरते मुद्दे' पर कार्यशाला का किया गया उद्घाटन

पायनियर संवाददाता ➤ कुम्हारी
www.dailypioneer.com

आईसीएफएआई विश्वविद्यालय में कानून विभाग कानून और चुनौती में उभरते मुद्दों पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस.पी. दुबे मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में विशेष रूप से आईपीआर में कानून के महत्व की चर्चा की। डॉ. जी आर राघवेन्द्र, वरिष्ठ सलाहकार (आईपीआर), डीपीआईटी, भारत सरकार वि.वि. में आयोजित कार्यशाला के प्रथम दिवस के मुख्य वक्ता थे। उन्होंने दर्शकों को उन कानूनों से अवगत कराया जो हमारे बौद्धिक संपदा अधिकारों की रक्षा करते हैं। उनका सत्र विचारोत्तेरक और प्रेरणादायक था। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. मनीष उपाध्याय सहित, सभी विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। आगामी 4 दिनों तक इस कार्यशाला में कानून में भविष्य में आने वाली चुनौतियों और समसामयिक मुद्दों पर नये नये विचार प्राप्त होंगे। आयोजन की संयोजक डॉ. प्याली चटर्जी, विभागाध्यक्ष- कानून विभाग, आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, रायपुर और सह-संयोजक के रूप में सिद्धार्थ देवरस रहे तथा कार्यक्रम संचालन डॉ. आर्ची दुबे ने किया।

कानून और चुनौती, उभरते मुद्दे पर कार्यशाला

छुरा (न्यूक्लीयर न्यूज)। आई.सी.एफ.ए.आई. विश्वविद्यालय में विधि विभाग द्वारा 15 से 19 जनवरी, 2024 तक कानून और चुनौती में उभरते मुद्दों पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस.पी. दुबे मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में विशेष रूप से आईपीआर में कानून के महत्व की चर्चा की। डॉ.जी आर राघवेन्द्र,वरिष्ठ सलाहकार,आईपीआर डीपीआईटी,भारत सरकार कार्यशाला के प्रथम दिवस के मुख्य वक्ता थे।उन्होंने उन कानूनों से अवगत कराया जो हमारे बौद्धिक संपदा अधिकारों की रक्षा करते हैं।उनका सत्र विचारोत्तेरक और प्रेरणादायक था।इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. मनीष उपाध्याय सहित,सभी विभागाध्यक्ष,प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।आगामी 4 दिनों तक इस कार्यशाला में कानून में भविष्य में आने वाली चुनौतियों और समसमायिक मुद्दो पर नये नये विचार प्राप्त होंगे।इस आयोजन की संयोजक डॉ. प्याली चटर्जी,विभागाध्यक्ष कानून विभाग,आई सी.एफ.ए.आई. विश्वविद्यालय,और सह-संयोजक के रूप में श्री सिद्धार्थ देवरस हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आर्थी दुबे ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी छात्र - छात्राओं, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ प्राध्यापक एवं अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित थे।